

अंतःपट पुं. (तत्.) 1. पर्दा 2. विवाह मंडप में वर और कन्या के बीच लगाया जाने वाला कपड़े का पर्दा 3. उक्त पर्दा लगाने की वैवाहिक रीति 4. दर्शन. अंतर-दृष्टि, अंतरपट।

अंतःपटी स्त्री. (तत्.) 1. वह चित्रपट जिस पर पर्वत, नदी आदि का दृश्य अंकित हो 2. रंगमंच का परदा।

अंतःपत्र पुं. (तत्.) पुस्तक के पन्नों के बीच में, संशोधन, परिवर्तन आदि के लिए लगाया गया कोश पन्ना। inter leaf

अंतःपत्रण पुं. (तत्.) पुस्तक आदि के पन्नों के बीच लगाने की क्रिया या भाव।

अंतःपत्रित वि. (तत्.) जिसके पन्नों के बीच में कोरे पन्ने लगाए गये हों (अंतः पत्रित पुस्तक)।

अंतःपरजीवी पुं. (तत्.) चिकि.शा. परजीवी जो पोषक के अंदर रहता है।

अंतःपरायण वि. (तत्.) 1. अंतः करण के निर्णय को मानने वाला 2. सत, असत् के विवेक वाला 3. ईमानदार।

अंतःपरिधान पुं. (तत्.) सबसे अंदर पहनने का वस्त्र जैसे- कच्छा, बनियान आदि। under garment

अंतःपर्वतीय वि. (तत्.) भूविज्ञान जो किसी पर्वत के भीतर स्थित, क्रियाशील हो।

अंतःपवित्र वि. (तत्.) पवित्र मन वाला।

अंतःपातित वि. (तत्.) 1. बीच में बढ़ाया गया 2. जो बीच में आ गया हो।

अंतःपाशित वि. (तत्.) परस्पर गुंथे हुए, एक दूसरे से योजित।

अंतःपुर पुं. (तत्.) महल का भीतरी भाग, विशेषतः जिसमें रानियाँ रहती थीं, जनानखाना, हरम। harem

अंतःपूयता स्त्री. (तत्.) आयु. किसी अंग के अंदर मवाद की उपस्थिति।

अंतःपेशी वि. (तत्.) मांस-पेशी से संबंधित, मांस पेशी में किया जाने वाला या होने वाला।

अंतःप्रकृति स्त्री. (तत्.) 1. मूल स्वभाव 2. हृदय, मन 3. प्राचीन राजनीतिशास्त्र में राजा का मंत्रिमंडल।

अंतःप्रकोष्ठिका स्त्री. (तत्.) आयु. अग्रबाहु की दो अस्थियों में से अंदर की अस्थि। ulna, cubital

अंतःप्रज्ञा वि. (तत्.) अंतःप्रज्ञा से युक्त व्यक्ति, आत्मज्ञानी।

अंतःप्रज्ञा स्त्री. (तत्.) आत्म ज्ञान, अंतर्मुखी होने पर जीवात्मा को उपलब्ध ज्ञान।

अंतःप्रज्ञात्मक वि. (तत्.) अन्तः प्रज्ञा संबंधी, अंतः प्रज्ञा का, आंतरिक प्रतिभा, बुद्धिमत्ता संबंधी, विवेकशीलता संबंधी।

अंतःप्रज्ञावाद पुं. (तत्.) दर्शन यह मत कि समस्त तत्त्वज्ञान या अच्छाई बुराई का ज्ञान अन्तः प्रज्ञा से ही संभव है।

अंतःप्रतिरोध पुं. (तत्.) मनो. अचेतन को चेतन में आने से यथासंभव रोकने वाली शक्ति का सामूहिक नाम।

अंतःप्रवाह पुं. (तत्.) 1. भीतर ही भीतर प्रवाहित होने वाली धारा 2. इजी. विद्युत-धारा का प्रवाह होना 3. मन में एक के बाद एक विचार धाराओं का आना।

अंतःप्रवेश पुं. (तत्.) 1. प्रवेश 2. भीतरी भाग में प्रवेश, अंदर प्रवेश 3. नाटक के मंच पर पात्रों का प्रवेश।

अंतःप्रादेशिक वि. (तत्.) 1. प्रदेश के भीतर होने वाला 2. प्रदेश के भीतरी भाग से संबंधित 3. प्रदेश की भीतरी बातों से संबंधित।

अंतःप्रेरणा पुं. (तत्.) कोई कार्य करने के लिए मन में स्वयं उत्पन्न प्रबल प्रवृत्ति या आवेग।

अंतःफोन पुं. (तत्.) [अंतः (तत्.)+फोन अंग्रे.] किसी संस्थान अथवा भवन आदि के विभिन्न कमरों में परस्पर संपर्क के लिए दूरभाष की व्यवस्था। intercom